Regarding reservations of SC, ST and OBC in IITs and IIMs in faculties and staff

श्री लालजी वर्मा (अम्बेडकर नगर) : माननीय सभापति महोदया, मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ । आज पचहत्तर वर्षों की आजादी के बाद भी, इस देश में जो संवैधानिक अधिकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग को मिला है, वह विभिन्न संस्थाओं में पूरा नहीं हो रहा है । देश के उच्च संस्थानों, आईआईएम और आईआईटी में देखें तो कुल 13 आईआईएम है, जिनमें 22.8 प्रतिशत फैकल्टी सामान्य वर्ग की है, केवल 5 प्रतिशत फैकल्टी एससी वर्ग से है, 1 पर्सेंट एसटी वर्ग से है और 9 पर्सेंट ओबीसी वर्ग से है । इसी तरह से 21 आईआईटीज़ में 80 प्रतिशत फैकल्टी सामान्य वर्ग से है, 6 पर्सेंट एससी वर्ग से है, 1.6 पर्सेंट एसटी वर्ग से है और 11 पर्सेंट ओबीसी वर्ग से है । इसी तरह से देश के तमाम केंद्रीय विश्वविद्यालयों में, शिक्षण संस्थानों में, चिकित्सा संस्थानों में भी इनका रिजर्वेशन पूरा नहीं है । इसका एक कारण यह है कि जब उनके रिजर्वेशन की भर्ती निकलती है तो जो एक्सपर्ट विभाग के द्वारा बनाए जाते हैं, वे सब सामान्य वर्ग के बना लिए जाते हैं । उस एक्सपर्ट कमेटी में रिजर्वेशन नहीं होता है, जिन लोगों को एससी और ओबीसी का सदस्य बनाया जाता है, वे बहुत जूनियर होते हैं तो उसका विरोध नहीं कर पाते हैं, ?नॉट फाउंड सूटेबल? करके उनको आयोग्य करार दे दिया जाता है । हमारी मांग है कि विशेष भर्ती अभियान चलाकर रिजर्वेशन कोटा सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में पूरा किया जाए । तीन सदस्यीय एक्सपर्ट कमेटी में भी एससी और ओबीसी को रिजर्वेशन दिया जाए, जिससे इन वर्गों का हित सुनिश्चित हो सके । धन्यवाद ।